Date: 19-03-2021
Event: Seven Days NSS Camp
Highlight: Principal GC Haripur, Dr Vipin Rathore (chief guest) as a resource person and Sumit Thakur NSS award winner from President (special guest) educated the students about the importance of self-service.

'स्वयं सेवा ही सच्चे अर्थों में मानव सेवा : सुमित'

महाविद्यालय बंजार में चल रहा 7 दिवसीय एन.एस.एस. शिविर

बंजार, 19 मार्च (लक्ष्मण): महाविद्यालय बंजार में चल रहे 7 दिवसीय एन.एस.एस. शिविर के 5वें दिन अकादमिक सत्र में राजकीय महाविद्यालय हरिपुर के प्राचार्य डा. विपिन राठौर ने मुख्यातिथि व राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता सुमित ठाकुर ने विशेष अतिथि के रूप में शिरकत की।

इस कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवी बिमला कुमारी एवं गौरव ने किया। कार्यक्रम के आरम्भ में एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी मोनिका ने मुख्यातिथि व विशेषातिथि को सम्मानित किया।

इसके उपरांत डा. विपिन सिंह राठौर ने स्वयं सेवा सच्चे अर्थों में मानव सेवा विषय पर अपने विचार स्वयंसेवियों के साथ सांझा किए। उन्होंने अपने वक्तव्य के आरम्भ में स्वयंसेवी के अर्थ को स्पष्ट करते हुए कहा कि एक स्वयंसेवी से अभिप्राय है वह व्यक्ति जो हमेशा अपने हित से पहले दूसरे के हित को प्राथमिकता देता है, वह प्रत्येक कार्य मानव एवं समाज हित को ध्यान में रखकर करता है। एक स्वयंसेवी प्रत्येक दृष्टि से मानव सेवा के लिए तत्पर रहता है। स्वयं सेवा के लिए किसी विशेष ओहदे या अवसर की आवश्यकता नहीं होती, अगर जरूरत होती है तो केवल और केवल आत्मचेतना एवं सेवा भावना की।

वहीं सुमित ठाकुर ने स्वयंसेवियों के साथ अपने एक साधारण स्वयंसेवी से लेकर राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता बनने तक के सफर का अनुभव बांटा।

उन्होंने कहा कि शुरू में एन.एस.एस. की अधिक जानकारी नहीं थी परंतु समय गुजरने के साथ-साथ न केवल इसमें उनकी रुचि बढ़ी बल्कि उन्हें भिन्न-भिन्न सामाजिक कार्य करने का भी अवसर प्राप्त हुआ और उसी का नतीजा है कि वह राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित हुए बल्कि इस समय कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का हिस्सा भी हैं। उन्होंने कहा कि यह सब एन.एस.एस. की देन है और इसमें उनके गुरुजनों का भी विशेष योगदान रहा है। उन्होंने स्वयंसेवियों को पूर्ण निष्ठा से जनसेवा के लिए प्रेरित भी किया। इस अवसर पर प्राचार्य डा. मनदीप शर्मा, सहायक आचार्य ज्योति बाला, सुरेश कुमार एवं दीप कुमार भी मौजूद रहे।

बंजार : 5वें दिन के अकादमिक सत्र के उपरांत स्वयंसेवी मुख्यातिथि, विशेषातिथि व प्राचार्य के साथ सामूहिक चित्र में।